अश्विन जैसी योग्यता वाले किसी खिलाड़ी का बीबीएल में आना कई स्तरों पर शानदार होगा। वह एक चैंपियन क्रिकेटर हैं जो बिग बैश और हमारे क्रिकेट सीजन में बहुत कुछ लेकर आएंगे।

– आर. अश्विन

भारतीय गेंदबाज, अपने गेंदबाजी को लेकर।

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

विराट कोहली ने आखिरकार 4 जून की त्रासदी पर एक भावुक बयान जारी करके अपनी चुप्पी तोड़ी है, जिसने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विजय उत्सव को धूमिल कर दिया था। कोहली ने आरसीबी के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक नोट में कहा, ज़िंदगी में कोई भी चीज आपको 4 जून जैसे दिल टूटने के लिए तैयार नहीं करती। जो हमारी फ्रेंचाइजी के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था... वह एक दुखद घटना में बदल गया। मैं उन परिवारों के बारे में सोच रहा हूँ और उनके लिए प्रार्थना कर रहा हूँ जिन्हें हमने खो दिया।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है। कोहली ने साल 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 183 रन जड़ दिए थे।

भारतीय मुक्केबाज पहली विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में दिखाएंगे अपना दमखम

नई दिल्ली, 3 सितंबर। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन निकहत जरीन जैसी दिग्गज मुक्केबाजों के नेतृत्व में, 20 भारतीय मुक्केबाज लिवरपूल में 4 से 14 सितंबर तक एम एंड एस बैंक एरिना में आयोजित होने वाली पहली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में दुनिया के कुछ शीर्ष मुक्केबाजों के साथ कई श्रेणियों में मुकाबला करेंगे। यह द्विवार्षिक चैंपियनशिप दुनिया भर के बेहतरीन शौकिया मुक्केबाजों को एक साथ लाएगी, जहां भारत इस साल की शुरुआत में ब्राजील और कजाकिस्तान में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप में 17 पदक जीतने के बाद शीर्ष फॉर्म में है।

भारत हाल ही में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन के आधार पर, मजबूत लय के साथ इस टूर्नामेंट में प्रवेश कर रहा है। ब्राजील में हुए विश्व मुक्केबाजी कप में, भारतीय दल ने छह पदक जीते, जिनमें हितेश ने एक स्वर्ण और अभिनाश जामवाल ने एक रजत पदक जीता, साथ ही चार कांस्य पदक भी जीते। यह अंतरराष्ट्रीय सफलता कजाकिस्तान में हुए विश्व मुक्केबाजी कप में भी जारी रही, जहां भारत की निरंतरता और गहराई दोनों ही निखर कर सामने आईं और दल ने तीन स्वर्ण सहित 11 और पदक जीते। सभी वर्गों में सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने की देश की क्षमता का भी प्रदर्शन हुआ, जब नूपुर श्योराण ने हैवीवेट वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। पुरुष टीम के कोच धर्मेंद्र सिंह यादव ने कहा, "शेफील्ड में हमारी तैयारी असाधारण रही है। यह टीम अनुभवी खिलाड़ियों का एक शक्तिशाली मिश्रण है, जो पहले भी पोडियम पर पहुंच चुके हैं, और अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली युवा मुक्केबाजों की एक नई लहर है जो अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। हमें इस समूह पर पूरा विश्वास है, और हम विश्व चैंपियनशिप में आने वाली हर चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं।" महिला टीम के कोच डॉ. चंद्रलाल ने कहा, "इस टीम का समर्पण और कड़ी मेहनत वाकई प्रेरणादायक है। हमने मेहनत की है, हमने नींव रखी है, और अब हम भारतीय महिला मुक्केबाजी का असली जुझारूपन दिखाने के लिए तैयार हैं।"

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन (51 किग्रा) की मौजूदगी से मजबूत हुई है, जो अनुभव, तकनीकी निपुणता और वैश्विक अनुभव का एक अद्भुत मिश्रण लेकर आई हैं। इस टीम में कुशल पदक विजेता एथलीट हितेश (70 किग्रा), अभिनाश (65 किग्रा), नुपुर (80 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा), मीनाक्षी (48 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन (57 किग्रा), संजू (60 किग्रा), नीरज फोगट (65 किग्रा) और टी. सनमाचा चानू (70 किग्रा) शामिल हैं। टीम में उभरते हुए पुरुष खिलाड़ियों जदुमणि सिंह मंदेंगबाम (50 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), सुमित (75 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा) शामिल हैं, जो सभी भार वर्गों में भारत की मजबूत उपस्थिति और बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाते हैं। सभी एथलीटों ने 18 अगस्त से 1 सितंबर, 2025 तक शेफील्ड में एक उच्च-तीव्रता प्रशिक्षण शिविर पूरा किया। इस प्रशिक्षण शिविर में मुख्य प्रशिक्षकों, ओइनम गीता चानू, लीशांगथेम राडिया देवी, मोहम्मद ऐतेसामुद्दीन, अभिषेक साह, तोरक खरप्रान और जयसिंह ज्ञानदेव पाटिल के मार्गदर्शन में फिजियोथेरेपिस्ट सुम्या ज्योति हलदर और आलोक कुमार, और डॉक्टर यशा विजयकुमार पटेल ने सर्वोत्तम फिटनेस और स्वास्थ्य सुनिश्चित किया। शिविर में तकनीकों को बेहतर बनाने, रणनीतियों को बेहतर बनाने और मुक्केबाजों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों का सामना करने के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। हर भार वर्ग में चैंपियन और पदक के दावेदारों के साथ, भारत शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और अपनी प्रतिभा की गहराई, बहुमुखी प्रतिभा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को उजागर करने के लिए तैयार, शीर्ष फॉर्म में चैंपियनशिप में प्रवेश करता है।

हुक्का कांड पर इरफान ने धोनी को लेकर दिया फैंस को जवाब

नई दिल्ली, 3 सितंबर। इरफान पठान पांच साल पहले महेंद्र सिंह धोनी पर दिए अपने बयान को लेकर फिर एक बार चर्चा में आ गए हैं। इरफान पठान ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी पर पांच साल पहले दिए एक इंटरव्यू में आरोप लगाया था कि टीम इंडिया में सेलेक्शन के लिए आपको हुक्का पीना आना चाहिए।

भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी इरफान पठान पांच साल पहले महेंद्र सिंह धोनी पर दिए अपने बयान को लेकर फिर एक बार चर्चा में आ गए हैं। इरफान पठान ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी पर पांच साल पहले दिए एक इंटरव्यू में आरोप लगाया था कि टीम इंडिया में सेलेक्शन के लिए आपको हुक्का पीना आना चाहिए। इरफान का ये इंटरव्यू फिर एक बार वायरल हो रहा है जिस पर पूर्व क्रिकेटर ने एक फैन को जवाब दिया है। इरफान पठान ने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को एक्स पर पोस्ट करके बर्थडे विश किया है।

राजस्थान रणजी टीम के संभावितों का प्रशिक्षण शिविर नाथद्वारा में

जयपुर, 3 सितम्बर। राजस्थान में राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की रणजी प्रतियोगिता के लिये चुने जाने वाली टीम के लिये संभावित खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर पांच सितम्बर को नाथद्वारा के मदन पालीवाल स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा। तदर्थ समिति के संयोजक डी डी कुमावत ने बुधवार को बताया कि राजस्थान की पुरुष सीनियर चयन समिति ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य सीनियर कॉल्विन शील्ड एवं सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी (मल्टी डेज) क्रिकेट प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर राज्य सीनियर क्रिकेट टीम के संभावितों के प्रशिक्षण शिविर के लिये 30 संभावित खिलाडियों का चयन किया है। इनमें से राजस्थान की रणजी टीम चुनी जायेगी।

उन्होंने बताया कि रणजी ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान की क्रिकेट टीम को रणजी ट्रॉफी की पूर्व तैयारियों के लिये उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं एवं खेल मैदान मुहैया कराया जायेगा। नाथद्वारा के मदन पालीवाल (मिराज) स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल मैदान एवं खेल सुविधाएं मौजूद हैं। खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी की तैयारियों के लिए स्टेडियम में सभी उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। संभावितों के प्रशिक्षण शिविर के लिये चयनित खिलाडी इस प्रकार हैं,- अभिजीत तोमर, महिपाल लोमरोर, दीपक चाहर, मानव सुथार, दीपक हुड्डा, कार्तिक शर्मा, समर्पित जोशी, कुणाल सिंह राठौड़, खलील अहमद, प्रद्युमन पारेख, आकाश सिंह, अनिकेत चौधरी, तनवीर उल ह, अजय सिंह कुकना, राहुल चाहर, करण लाम्बा, अशोक शर्मा, दीपक चौधरी, धनंजय तिवारी, रोहित खीचड़, अनिरुद्ध सिंह चौहान, जयदीप सिंह, सलमान खान, मुकुल चौधरी, कमलेश पटेल, सौरभ गोदारा, अव्यांश सिंह, सुमित गोदारा, जय गोयल और मोहित जैन।

सिकंदर रजा बने एकदिवसीय क्रिकेट के शीर्ष ऑलराउंडर

दुबई, 3 सितंबर। हरारे में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन वाले जिम्बाब्वे के स्टार खिलाड़ी सिकंदर रजा अपने करियर में पहली बार आईसीसी पुरुष एकदिवसीय खिलाड़ी ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर वन पर है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग की ताजा अपडेट के अनुसार 39 वर्षीय रजा ने दोनों मैचों में 92 और नाबाद 59 रन बनाए और श्रृंखला में एक विकेट लेकर अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई और मोहम्मद नबी को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं ओमरजई दूसरे और नबी तीसरे स्थान पर हैं। रजा का पिछला सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान था जो उन्होंने दिसंबर 2023 में हासिल किया था।

रजा के कुल 151 रन ने उन्हें बल्लेबाजी रैंकिंग में नौ पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गये है जो कि जून 2023 में उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 24वें स्थान से दो पायदान नीचे है। गेंदबाजों में भी वह एक पायदान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका सात स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं, श्रीलंका के ही जनिथ लियानागे (13 स्थान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर) और जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर) श्रृंखला के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में ऊपर आने वाले अन्य खिलाड़ी हैं। स्कॉटलैंड के बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 में कनाडा के खिलाफ मैच विजयी 84 रनों की नाबाद पारी के बाद तीन स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के टोनी डी जोंजी 67वें से 64वें स्थान पर आ गए हैं।

एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने श्रीलंका के स्पिनर महेश तीक्षाना को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 22 रन देकर चार विकेट लिए थे।

झुंझुनूं एकेडमी की छात्राओं का वुमेन राजस्थान अंडर-19 चैलेंजर में सिलेक्शन

झुंझुनूं, 3 सितंबर। झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई स्कूल के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। स्कूल की तीन छात्राओं ने क्रिकेट में शानदार उपलब्धि प्राप्त की है। जानकारी देते हुए क्रिकेट कोच कमलेश सैनी ने बताया कि झुंझुनूं एकेडमी की छात्रा अर्चना सांगवान, निशा तथा कृतिश्री व्यास का सिलेक्शन वुमेन राजस्थान अंडर-19 चैलेंजर में हुआ है। जो जिले के लिए गर्व की बात है। इन तीनों होनहार छात्राओं ने स्कूल, माता-पिता, परिवार एवं जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि यह तीनों छात्राएं राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाएंगी। यह प्रतियोगिता चार सितम्बर से छह सितम्बर 2025 तक जयपुर में आयोजित होगी।

गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश : राजस्थान के 10 खिलाड़ी क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

जयपुर, 3 सितम्बर। राजस्थान के दस खिलाड़ियों ने बुधवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम कोर्ट्स पर खेली जा रही गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीत अपने- अपने आयु वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अंडर-19 गर्ल्स में राजस्थान की रित्विका सिंह बुन्देला ने सानवी बाटर के खिलाफ वॉकओवर से अंतिम आठ में जगह बनाई। अंडर-17 बॉयज में सुभाष चौधरी ने अर्नव खंडेलवाल को 3-0 से हरा क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अंडर-15 बॉयज में राजस्थान के फरीद अन्द्रावी ने मलेशियाई खिलाड़ी जोवेन जिया चेन चोंग को पांच सेटों के कड़े मुकाबले में 6-11, 11-6, 7-11, 11-2, 11-6 से हरा अंतिम आठ में प्रवेश किया वहीं गर्ल्स में गौरी जायसवाल ने प्री क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश की अरोमा के खिलाफ कड़ा मुकाबला करते हुए 11-3, 8-11, 9-11, 11-7, 11-8 से जीत दर्ज की।

अंडर-13 गर्ल्स में राजस्थान की दिव्यांशी जैन ने स्वरा त्रेहान को 8-11, 11-4, 11-5, 11-1 से हरा अंतिम आठ में जगह बनाई वहीं बॉयज में ओम ठाकुर ने विहान खेमानी को 11-6, 11-8, 11-5 से और प्रभव बाजोरिया ने रिदान गुप्ता को 11-4, 11-9, 11-8 से हरा क्वार्टर फाइनल में कदम रखा। अंडर-11 गर्ल्स में राजस्थान की गौरवी अजमेरा ने अंशिका कुमारी को कड़े मुकाबले में 10-12, 11-4, 6-11, 11-7, 11-7 से और इनाया अन्द्रावी ने संध्या यादव को चार सेटों तक चले मुकाबले में 9-11, 11-9, 11-5, 11-6 से हरा अंतिम आठ में प्रवेश किया। वहीं अंडर-11 बॉयज में युवान वर्मा ने मलेशिया के केशव प्रेम कुमार को पांच सेटों में 8-11, 11-8, 11-3, 5-11, 11-9 से शिकस्त दे क्वार्टर फाइनल में कदम रखा। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा के अनुसार गुरुवार को सभी एज कैटेगरी के बॉयज और गर्ल्स के क्वार्टर फाइनल मैच खेले जाएंगे।

वीनस का सपना यूएस ओपन के अंतिम 8 में टूटा

न्यूयॉर्क, 3 सितंबर। वीनस विलियम्स और उनकी जोड़ीदार लेयला फर्नांडीज का महिला युगल क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा से हारने के बाद यूएस ओपन के अंतिम चार में पहुंचने का सपना टूट गया।कनाडा की लेयला फर्नांडीज के साथ जोड़ी बनाकर खेल रही विलियम्स को 57 मिनट तक चले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी से 6-1, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद टाउनसेंड और सिनियाकोवा दोनों ने विलियम्स को सम्मान देते हुए उन्हें 'प्रेरणादायक' और 'लीजेंड' बताते हुए कहा कि मैं और मेरी बहन वीनस और सेरेना को देखते हुए बड़े होते हुए, हम उनके जैसे बनना चाहते थे। टाउनसेंड ने कहा कि उनके साथ कोर्ट साझा करना सम्मान की बात है। सिनियाकोवा ने कहा कि उनके साथ खेलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

राजधानी

कोचिंग बिल पर कांग्रेस विधायक राजेन्द्र पारीक ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर किया समर्थन

वरिष्ठ विधायक राजेंद्र पारीक ने कहा, ''नेता प्रतिपक्ष 16 साल उम्र की पैरवी कर रहे, यह गलत है; बाकी राज्यों में 14 साल की उम्र तय है।''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा में कोचिंग रेगुलेशन बिल पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने पार्टी लाइन से अलग जाकर इसका समर्थन किया। सरकार के बिल का समर्थन करने को बीजेपी ने कांग्रेस विधायक दल की फूट बताकर पलटवार किया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई कांग्रेस विधायकों ने बिल का विरोध करते हुए केंद्र की गाइडलाइन के बावजूद 16 साल से कम उम्र के बच्चों को कोचिंग में पढ़ने से रोकने का प्रावधान नहीं करने पर सवाल उठाए थे।

नेता प्रतिपक्ष की राय का विरोध करते हुए राजेंद्र पारीक ने कहा कि "हमारे नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कोचिंग के लिए बच्चे की 16 साल की उम्र होनी चाहिए थी।

भारत की गाइडलाइन कुछ भी हो सकती है लेकिन आप 14 साल के बच्चे को यह कहकर हतोत्साहित कर देंगे कि वह बच्चा कोचिंग में नहीं पढ़ सकता, तो गलत होगा। बाकी राज्यों में भी 14 साल ही है, इसलिए जहां 14 साल है तो वह वहां जाकर कोचिंग कर लेगा।''

- **पारीक द्वारा बिल का समर्थन करने को बीजेपी ने कांग्रेस विधायक दल की फूट बताकर पलटवार किया**

पारीक ने कहा कि मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि गरीब परिवार के बच्चे अच्छे इंस्टीट्यूट में नहीं पढ़ पाते थे वो अच्छे कोचिंग में पढ़कर आने वालों से पीछे रह जाते थे, क्योंकि उन्हें माहौल नहीं मिल पाता था। आज सीकर में ग्रामीण अंचल से बच्चे आईपीएस, आईएएस सहित बड़ी-बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में सिलेक्ट हो रहे हैं। कुछ साल पहले आईआईटी करके आए हुए चंद बच्चों ने सीकर में कोचिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना की। उस बीज को पेड़ बनते मैंने आंखों से देखा।

पारीक ने कहा कि सीकर की रेवेन्यू 35 परसेंट कोचिंग इंस्टीट्यूट से चलती है। मैं कोचिंग संस्थाओं का नहीं, मैं उन गरीब परिवार के बच्चों को सपोर्ट कर रहा हूं। जो पैसे के अभाव में दिल्ली-जयपुर नहीं जा सकते वो बच्चे सीकर की कोचिंग में पढ़ा रहे हैं। यह कहना कि कोचिंग में माहौल नहीं है, जगह नहीं है, गलत है, वे एक बार सीकर आकर देख लें।

पारीक ने कहा कि कोचिंग इंस्टीट्यूट के आने के बाद सीकर की जो ग्रोथ हुई है, वह कल्पना से परे है। कोचिंग इंस्टीट्यूट ही सुसाइड की वजह नहीं है, कोचिंग को जिम्मेदार ठहराने को मैं कतई निराधार मानता हूं। यह प्रचार का माध्यम बना दिया कि कोचिंग इंस्टीट्यूट की वजह से राजस्थान बर्बाद हो रहा है, यह गलत है।

इस बिल पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बहस के दौरान कहा था भारत सरकार की गाइडलाइन के बावजूद कोचिंग स्टूडेंट की उम्र 16 साल नहीं की, आप भारत सरकार की नहीं नहीं मान रहे। चाहे कितने हजार करोड़ की इंडस्ट्री हो, बच्चों की सुसाइड करने के लिए नहीं है। इस बिल को प्रवर समिति को भेजकर क्या सुधार किया? आपने जुर्माना कम करके कोचिंग को फायदा दिया, जुर्माना कम क्यों किया? कोचिंग के दायरे में लाने वाले संस्थानों की छात्र संख्या को बढ़ा दिया। इसके नए प्रावधान कोचिंग वालों को फायदा पहुंचाने वाले हैं। बच्चों की सुसाइड रोकने के लिए जितना फोकस होना चाहिए था, वह नहीं किया।

राजेंद्र पारीक के सदन में कांग्रेस से अलग स्टैंड लेने के सवाल पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि पारीक साहब ने केवल 16 साल की उम्र पर अपनी राय रखी थी, ये उनके व्यक्तिगत विचार हैं, हो सकता है कि सीकर का मामला अलग हो।

आठ बड़े संस्थानों ने शोध के बाद भारत सरकार ने 16 साल की उम्र तय की है। कांग्रेस के सभी विधायकों ने अपनी राय इसी लाइन पर रखी है। बीजेपी चाहती है कि पारीक साहब की व्यक्तिगत राय को फूट के रूप में दिखाए लेकिन ऐसा नहीं है।

कानून और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कोचिंग रेगुलेशन बिल पर कांग्रेस विधायक दल की फूट सामने आई है। राजेंद्र पारीक ने नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस से अलग जाकर बिल का समर्थन किया है, यह फूट को दर्शाता है।

राजस्थान कोचिंग सेन्टर नियंत्रण-विनियमन विधेयक ध्वनिमत से पारित

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा ''इस कानून का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिणक जीवन में रोशनी लाना है, न कि कोचिंग सेंटरों को डराना।''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में बुधवार को बहुप्रतीक्षित राजस्थान कोचिंग सेन्टर (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित हो गया। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने इसे सिर्फ एक विधेयक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक और संवेदनशील कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस कानून का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिणक जीवन में रोशनी लाना है, न कि कोचिंग सेंटरों को डराना।

विधेयक के तहत अब कोई भी कोचिंग सेंटर बिना राजकीय पंजीकरण के संचालित नहीं हो सकेगा। पंजीकरण की शर्तों में संशोधन करते हुए न्यूनतम विद्यार्थियों की संख्या को 50 से बढ़ाकर 100 कर दिया गया है, ताकि असंगठित संस्थानों को अधिक उत्तरदायित्व के साथ काम करने का अवसर मिल सके।

इसके अलावा अनियमितताओं पर लगने वाले जुर्माने को भी संशोधित किया गया है। अब पहली बार उल्लंघन पर 50 हजार और दूसरी बार पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। अगर कोचिंग संस्थान लगातार नियमों की अवहेलना करता है तो उसका पंजीकरण रद्द करने और उसकी संपत्ति कुर्क करने तक की कार्रवाई संभव होगी। विधेयक में विद्यार्थियों की मानसिक सेहत पर भी खास ध्यान दिया गया है। प्रत्येक कोचिंग संस्थान में मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता की नियुक्ति अनिवार्य की गई है। साथ ही तनाव प्रबंधन के सत्र और परिजनों से संवाद की नियमित व्यवस्था की जाएगी। हर जिले में हेल्पलाइन और कॉल सेंटर संचालित किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों की शिकायतों का समय पर समाधान हो सके। इस विधेयक के अंतर्गत राज्य स्तर पर राजस्थान कोचिंग सेंटर नियंत्रण एवं विनियमन प्राधिकरण की स्थापना की जाएगी, जिसकी निगरानी में कोचिंग संस्थान संचालित होंगे। इसके अलावा जिला स्तर पर भी समिति गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता संबंधित जिले के कलेक्टर करेंगे।

डॉ. बैरवा ने स्पष्ट किया कि सरकार इस विधेयक के माध्यम से कोचिंग संस्थानों को बंद करने नहीं बल्कि उन्हें अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और छात्र हितैषी बनाने के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थान रैंकिंग मशीन नहीं, बल्कि संस्कार केंद्र बनें, यही राज्य सरकार की भावना है।

- **विधेयक के तहत अब कोई भी कोचिंग सेंटर बिना राजकीय पंजीकरण के संचालित नहीं हो सकेगा। हालांकि पंजीकरण की शर्तों में संशोधन करते हुए न्यूनतम विद्यार्थियों की संख्या को 50 से बढ़ाकर 100 किया गया है।''**
- **नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत पूरे विपक्ष ने इस विधेयक को अफसरशाही बढ़ाने तथा कोचिंग इंडस्ट्री को अप्रत्यक्ष संरक्षण देने वाला बताया**

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट के साथ कांग्रेस विधायकों ने बुधवार को विधानसभा परिसर में झालावाड़ स्कूल हादसे में दिवंगत बच्चों को श्रद्धांललि अर्पित की। कांग्रेस विधायकों ने हादसे में मृत बच्चों को सदन में श्रद्धांजलि नहीं दिए जाने को बड़ा मुद्दा बनाते हुए शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग की है। विपक्षी विधायक विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर विधानसभा पहुंचे थे।

एम्स की तर्ज पर जयपुर में बनेगा सुपर स्पेशियलिटी रिम्स

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । नई दिल्ली के एम्स की तर्ज पर राजधानी जयपुर में भी रिम्स बनाया जायेगा। बुधवार को राजस्थान विधानसभा में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

इस विधेयक के जरिए जयपुर स्थित आरयूएचएस (राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज) का उन्नयन कर सुपर स्पेशियलिटी संस्थान राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) की स्थापना की जाएगी।

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह ने बताया कि यह संस्थान एम्स, नई दिल्ली की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। रिम्स को 40 एकड क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा और इसके निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा समुचित बजट प्रावधान भी किया गया है। मंत्री ने जानकारी दी कि यह संस्थान अगले दो वर्षों में तैयार हो जाएगा और यह स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करेगा। इसमें राज्य सरकार की योजनाओं के तहत पात्र मरीजों को निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलेगी, जिससे अन्य सरकारी अस्पतालों पर भार भी कम होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हों, इसकी दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। रिम्स की स्थापना से न सिर्फ उन्नत चिकित्सा सेवाएं सुलभ होंगी बल्कि मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

विधानसभा में पारित संशोधन विधेयक के अनुसार, राज्य सरकार अब आरयूएचएस के किसी घटक या उसके द्वारा स्थापित महाविद्यालय को सरकारी महाविद्यालय घोषित कर सकेगी। इसके साथ ही ऐसे महाविद्यालयों की सम्पूर्ण संपत्तियां, भवन, प्रयोगशालाएं आदि का प्रशासनिक नियंत्रण राज्य सरकार के अधीन होगा।

- **आरयूएचएस का होगा उन्नयन, 40 एकड़ में बनेगा राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान : चिकित्सा मंत्री**

फलौदी की बाप नगरपालिका में नए उच्च जलाशयों का निर्माण होगा

जयपुर । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए गांवों में जल जीवन मिशन और शहरों के लिए अमृत 2.0 योजना प्रारंभ की है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया की फलोदी की बाप नगरपालिका में भी पेयजल की सुचारू आपूर्ति के लिए सर्वे करवाकर आवश्यकतानुसार नए उच्च जलाशयों का निर्माण कराया जायेगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र फलोदी में 95 नलकूप सूख गए थे जिनमें 63 नलकूपों को सही कराने के लिए कार्यवाही की जा रही है।